www.abdp.co.in

पंजीयन क्रमांक 04/14/01/12087/10

दर्शन-परिषद्

(पूर्व नाम : अखिल भारतीय दर्शन-परिषद्)

ALL INDIA PHILOSOPHY ASSOCIATION

(A MEMBER OF F.I.S.P.)

[देश में दर्शनशास्त्र के सर्वाधिक आजीवन सदस्यों की संस्था]

प्रोफेसर एस.पी. दुबे

अध्यक्ष

सेवानिवृत्त आचार्य,
स्नातकोत्तर दर्शन विभाग
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय,
जबलपुर–482001

31.10.2012

प्रति,

श्री रवि मित्तल
शिव ॐ साई प्रकाशन,
95/3, वल्लभ नगर,
इन्दौर–452003

प्रिय श्री मित्तल जी,

कृपया अपने पत्र दि. 19.07.2012 का अवलोकन करें। इस पत्र के साथ भेजी गई पुस्तक *काशी मरणन्मुक्ति,* तृतीय संस्करण (अक्टूबर 2011) प्राप्त हुई थी जिसके लेखक द्वय श्री मनोज ठक्कर तथा सुश्री रश्मि छाजेड़ हैं। वस्तुतः यह प्रकाशन 21वीं शताब्दी का हिन्दी का अत्यंत श्रेष्ठ और सर्वोत्तम प्रकाशन माना जाना चाहिए। इसमें साहित्य, संस्कृति, धर्म, दर्शन तथा अध्यात्म का ऐसा समन्वय है जो अद्‌भुत है। शैव तथा वैष्णव परम्पराओं का ऐसा सामासिक स्वरूप बिरला ही मिलता है। काशी के माध्यम से पूरे भारतीय धर्म स्थलों का इस प्रकार से पाठक भ्रमण करता है कि उसकी बार–बार केन्द्र से परिधि और परिधि से केन्द्र की मानसिक यात्रा सहज हो जाती है। कबीर, तुलसी, रामकृष्ण परमहंस, साईं बाबा तथा तेलंग स्वामी के सहज आशीर्वाद का प्रसाद नायक को प्राप्त होता है और उसके माध्यम से कहानी के सभी सहयोगी तथा पाठक भी प्राप्त करते हैं। पूरे ग्रन्थ में भाषा तथा टंकण की त्रुटि लगभग नगण्य है।

इस प्रकार के ग्रन्थ के प्रकाशन के लिए आपको मैं अखिल भारतीय दर्शन–परिषद् की ओर से तथा स्वयं अपनी ओर से अनेकशः साधुवाद देता हूं।

आपका ही,

(एस.पी. दुबे)

प्रतिलिपिः

श्री रवि मित्तल
प्रधान कार्यालय,
23–24, धेनु मार्केट,
श्री कृष्णा चेम्बर्स,
इंदौर–452003

Res.: *'Darshan'*, Duplex No.-9, Apsarā Apartments, 6/15-33, South Civil Lines, Jabalpur-482001 (M.P.)
Tel.: 0761-2601906, 6535699 (R), Mob.: 9229132699, Fax: 0761-2601906 (O), e-mail: sp_dubey@rediffmail.com